कोर्स / कक्षा **सर्टिफिकेट**	**बी. ए. प्रथम वर्ष**	सेमेस्टर : **I**

विषय . **हिन्दी (माइनर)**

पाठ्यक्रम कोड : A010602T (M)	पाठ्यक्रम शीर्षक **हिन्दी काव्य और काव्यशास्त्र**

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes) :

विद्यार्थियो को प्राचीन और नवीन कतिपय प्रतिनिधि हिन्दी कवियो और उनकी कविताओं का ज्ञान कराना जिससे वे हिन्दी कविता की सामान्य विशेषताओ को समझ सके और उनमे हिन्दी कविता के और भी अध्ययन के प्रति रुचि विकसित हो सके। हिन्दी की स्थानीय उपभाषाओ अवधी अथवा भोजपुरी की कुछ चयनित काव्य–रचनाओ के अध्ययन के साथ ही भारतीय काव्यशास्त्र के भी ऐसे उपयोगी तत्त्वो के बारे मे सामान्य जानकारी प्रदान करना, जो प्रतियोगी परीक्षाओं मे उनके काम आ सके।

क्रेडिट : **4**	पूर्णांक : **25+75 =100**	उत्तीर्णांक : **10+30=40**

कुल व्याख्यान संख्या- **60**, प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल–प्रयोगात्मक घण्टे : **4-0-0** अथवा **3-1-0** इत्यादि

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की सख्या
I	**भक्तिकालीन–काव्य :** **क. कबीरदास :** (कबीरदास, सपादक– श्यामसुदर दास) गुरुदेव को अंग– 01,06,11,17,20 तथा विरह को अग–04,10,12,20,33। **आलोचना के बिन्दु–** कबीर की भक्ति, कबीर का समाज–दर्शन। **ख. तुलसीदास :** श्रीरामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर अयोध्याकाण्ड, दोहा सख्या– 28 से 41। आलोचना– तुलसी का समन्वयवाद, काव्यगत विशेषताएँ।	10
II	**रीतिकालीन काव्य :** **क बिहारीलाल :** बिहारी रत्नाकर, सपादक– जगन्नाथदास रत्नाकर दोहा सख्या– 1,2,5,6,7,15,19,20,21,25,32,38। आलोचना के बिन्दु– बिहारी रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि, बिहारी की कविताओ मे गागर में सागर। **ख घनानन्द** (घनानन्द कवित्त, संपादक– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) छद सख्या– 1 से 7 तक। **आलोचना के बिन्दु–** रीतिमुक्त काव्यधारा और घनानन्द, घनानन्द का प्रेम–वर्णन।	10
III	**छायावादी काव्य :** **क. जयशंकर प्रसाद :** बीती विभावरी जाग री, पेशोला की प्रतिध्वनि। आलोचना . जयशकर प्रसाद और छायावाद, जयशंकर प्रसाद का काव्य–वैभव। **ख. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** जागो फिर एक बार–2, वर दे वीणावादिनि। निराला की काव्यगत विशेषताएँ, निराला के काव्य मे राष्ट्रीय चेतना।	10
IV	**प्रगति–प्रयोगवादी काव्य .** **क. अज्ञेय :** यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की। आलोचना के बिन्दु प्रयोगवाद और अज्ञेय, सकलित कविताओ का प्रतिपाद्य और समीक्षा। **ख. मुक्तिबोध :** विचार आते है, मुझे हर कदम पर चौराहे मिलते है। **आलोचना के बिन्दु–** मुक्तिबोध की काव्य–संवेदना, आधुनिक कवियो मे मुक्तिबोध का स्थान।	10
V	**काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय :** काव्य के लक्षण, काव्य–प्रयोजन, काव्य हेतु तथा काव्य की आत्मा।	10
VI	**अलंकार–छन्द परिचय :** अलकार का अर्थ तथा उपयोगिता, अलंकार– वर्गीकरण। अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, पुनरुक्तिप्रकाश, सदेह, भ्रातिमान तथा मानवीकरण अलकारो का सोदाहरण परिचय। छद की परिभाषा तथा तत्त्व, छदो के भेद तथा कविता मे उनका महत्त्व। चौपाई, सोरठा, दोहा, कवित्त, सवैया, कुण्डलिया, रोला, गीतिका, वशस्थ, मन्दाक्रान्ता, तथा मुक्त छद के लक्षण और उदाहरण।	10

आवश्यक निर्देश :

1 इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके कला सकाय के अतिरिक्त किसी भी अन्य सकाय में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन सहायक (माइनर) विषय के रूप मे कर सकते है, परन्तु उनके लिए सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित है।

2 75 अको की सेमेस्टर परीक्षा हेतु इस प्रश्नपत्र की सभी इकाइयो से एक–एक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर विद्यार्थियो को देने होगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये 17 अक निर्धारित हैं। इकाई I से लेकर IV तक प्रत्येक इकाई से कुल 4 व्याख्यांश व्याख्या के लिये दिये जायेंगे। इनमे से किन्ही दो की व्याख्या विद्यार्थियो को करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिये 12 अक निर्धारित होगे। इस तरह 17X3=51 तथा 12X2=24 में इस प्रश्नपत्र के 75 अक विभाजित होगे।

3 विद्यार्थियो को 25 अक आन्तरिक मूल्यांकन के आधार पर दिये जायेगे। इनमे से 5 अक विद्यार्थी की कक्षा मे उपस्थिति, प्रदर्शन और सक्रियता, उसके अच्छे आचरण, व्यवहार तथा सस्था या विभागीय कार्यों मे सहयोग आदि के आधार पर दिये जायेंगे। शेष 20 अकों के लिये परीक्षा, असाइनमेंट, परियोजना कार्य आदि आधार होंगे। अच्छा तो यह हो कि विद्यार्थी की दो लघु परीक्षाएँ कम–से कम एक माह के अन्तराल पर हो और एक असाइनमेट, परियोजना कार्य आदि दिया जाये। इन तीनो मे से दो श्रेष्ठ प्राप्ताको के औसत अक मुख्य सेमेस्टर परीक्षा के अकों के साथ जोडे जायें।

सहायक ग्रन्थ :

1. मुशीलाल शर्मा, सूरदास और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
2. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
3. नन्ददुलारे वाजपेयी, सूर सदर्भ, इडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
4. रामनरेश त्रिपाठी, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग–1), हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937
5 राजपति दीक्षित, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
6. राजेन्द्र सिह गौड, आधुनिक कवियो की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एड सस, आगरा, 1953
7. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
8. शम्भूनाथ सिह, छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी 1962
9. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. रामस्वरूप चतुर्वेदी, अज्ञेय का रचना ससार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. डॉ. हसराज त्रिपाठी, आत्मसघर्ष की कविता और मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ
12. अज्ञेय, दूसरा सप्तक, प्रगति प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951
13. देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
14 नदकिशोर नवल, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
15. बच्चन सिह, भारतीय एव पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चडीगढ 1987
16 भगीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
17. भगीरथ मिश्र काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणरी
18 विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
19 डॉ. रामचन्द तिवारी, भारतीय एव पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय सस्करण, 2010
20. निर्मला जैन, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1990
21. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', परिमल, लोकभारती राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
22. डॉ. सत्येन्द्र कुमार दुबे, मन डूब गया, नालंदा प्रकाशन दिल्ली, 2020

कोर्स / कक्षा सर्टिफिकेट	बी. ए. प्रथम वर्ष	सेमेस्टर : II

विषय : **हिन्दी (माइनर)**

पाठ्यक्रम कोड : **A010602T(M)**	पाठ्यक्रम शीर्षक **हिन्दी साहित्य का इतिहास तथा भाषा विज्ञान**

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes) :

विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास का ज्ञान कराना जिससे वे हिन्दी भाषा और साहित्य मे विभिन्न कालखण्डो मे आये परिवर्तनो को समझ सके और प्रतियोगी परीक्षाओ मे पूछे जाने वाले प्रश्नों की तैयारी कर सके। उन्हे भाषाविज्ञान जैसे उपयोगी विषय की भी सामान्य जानकारी देना।

केडिट : **4**	पूर्णांक : **25+75 =100**	उत्तीर्णांक : **10+30=40**

कुल व्याख्यान सख्या- **60**, प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल–प्रयोगात्मक घण्टे : **4-0-0** अथवा **3-1-0** इत्यादि

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या
I	**हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि और आदिकाल :** हिन्दी भाषा और साहित्य की पृष्ठभूमि, हिन्दी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य के आदिकाल की परिस्थितियॉ, हिन्दी का आदिकालीन साहित्य और उसकी प्रवृत्तियॉ।	10
II	**हिन्दी साहित्य का मध्यकाल :** भक्तिकाल की परिस्थितियॉ, भक्तिकालीन साहित्य का वर्गीकरण और प्रवृत्तियॉ, रीतिकाल का नामकरण और परिस्थितियॉ, रीतिकालीन साहित्य का वर्गीकरण और विशेषताएँ।	10
III	**हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल (कविता–1) :** आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि, आधुनिक काल की सामान्य विशेषताएँ, आधुनिककालीन कविता का विकास–क्रम भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, छायावादोत्तर तथा स्वातन्त्र्योत्तर युग की परिस्थितियॉ एव प्रवृत्तियॉ।	10
IV	**हिन्दी गद्य एवं पत्रकारिता :** हिन्दी गद्य की पृष्ठभूमि, आधुनिककालीन हिन्दी गद्य का उदय और उसका प्रारम्भिक स्वरूप, हिन्दी की गद्य विधाओ नाटक, निबध, उपन्यास, कहानी का उद्भव और विकास, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	10
V	**भाषा एवं भाषा विज्ञान :** भाषा की परिभाषा तथा अभिलक्षण, भाषा विज्ञान अर्थ एव प्रकार, अध्ययन की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक, भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानो से सम्बन्ध।	10
VI	**हिन्दी भाषा का वैशिष्ट्य :** भारोपीय भाषा परिवार और हिन्दी, हिन्दी की प्रमुख बोलियॉ, हिन्दी की ध्वनियो का वर्गीकरण, ध्वनि–परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।	10

सहायक ग्रन्थ :

1. डॉ नगेन्द्र, (संपा), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. रामचन्द्र शुक्ल, हिदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. रामचन्द्र तिवारी, हिदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और सवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
6. नामवर सिह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागज नयी दिल्ली, 1972
8. कपिलदेव द्विवेदी, भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980

9 डॉ रामकिशोर शर्मा, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
10 भोलानाथ तिवारी, हिदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2014
11 सत्यनारायण त्रिपाठी, हिदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1981
12 राजमणि शर्मा, हिदी भाषा इतिहास एव स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
13 भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999
14 डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी अकेडमी, प्रयाग, 1951
15. हरदेव बाहरी, हिन्दी उद्भव, विकास और रूप, किताबमहल, इलाहाबाद, 42 वॉ संस्करण, 2018

आवश्यक निर्देश :

1 इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके कला सकाय के अतिरिक्त किसी भी अन्य सकाय मे अध्ययनरत समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन सहायक (माइनर) विषय के रूप मे कर सकते है, परन्तु उनके लिए सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित है।

2 75 अको की सेमेस्टर परीक्षा हेतु इस प्रश्नपत्र की सभी इकाइयो से एक–एक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर विद्यार्थियों को देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये 17 अंक निर्धारित है। सभी इकाइयो से 6–6 अंको के कुल 6 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगे। इनमें से कोई तीन प्रश्न विद्यार्थियो को लिखने होगे। सभी इकाइयो से 1–1 अक के कुल मिलाकर 6 बहुविकल्पीय प्रश्न भी पूछे जायेंगे। एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं पूछा जायेगा। इस तरह 17X3=51 तथा 6X3=18 तथा 1X6=06 मे इस प्रश्नपत्र के 75 अक विभाजित होगे।

3 विद्यार्थियो को 25 अक आन्तरिक मूल्याकन के आधार पर दिये जायेगे। इनमे से 5 अक विद्यार्थी की कक्षा मे उपस्थिति, प्रदर्शन और सक्रियता, उसके अच्छे आचरण, व्यवहार तथा सस्था या विभागीय कार्यों मे सहयोग आदि के आधार पर दिये जायेगे। शेष 20 अको के लिये परीक्षा, असाइनमेट, परियोजना कार्य आदि आधार होगे। अच्छा तो यह हो कि विद्यार्थी की दो लघु परीक्षाएँ कम–से कम एक माह के अन्तराल पर हो और एक असाइनमेंट, परियोजना कार्य आदि दिया जाये। इन तीनो मे से दो श्रेष्ठ प्राप्ताको के औसत अक मुख्य सेमेस्टर परीक्षा के अको के साथ जोडे जायें।

कार्यक्रम / कक्षा : डिप्लोमा	बी. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर : **III**
विषय **हिन्दी माइनर**		
पाठ्यक्रम कोड : A010401T(M)	पाठ्यक्रम शीर्षक : **हिन्दी गद्य**	

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes) :

इस पत्र का विषयक्षेत्र हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओ का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हे हिन्दी की कुछ प्रतिनिधि गद्य रचनाओं का अध्ययन करवाना है। इससे हिन्दी गद्य के अध्ययन, लेखन तथा आलोचना के प्रति उनकी रुचि विकसित होगी। गद्य साहित्य के पठन–पाठन की समुचित रीति को समझकर उनमे आलोचकीय विवेक उत्पन्न होगा और रचनाओ मे अन्तर्निहित जीवन–मूल्यो से जुडकर वे हिन्दी साहित्य की महत्ता को समझ सकेगे। लेखन के क्षेत्र मे कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियो को इस पत्र से विशेष लाभ प्राप्त होगा।

केडिट : **4**	पूर्णांक : **25+75 =100**	उत्तीर्णांक : **10+30=40**

कुल व्याख्यान सख्या- **60**, प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल–प्रयोगात्मक घण्टे : **4-0-0** अथवा **3-1-0** इत्यादि

इकाई	**विषयवस्तु**	**व्याख्यानो की संख्या**
I	**नाटक :** अधेरनगरी– भारतेन्दु हरिश्चद्र आलोचना के बिन्दु– हिन्दी नाटक को भारतेन्दु हरिश्चद्र का योगदान, 'अधेरनगरी' का प्रतिपाद्य और उसमे निहित व्यग्य, नाटक के तत्त्वो की दृष्टि से 'अधेरनगरी' की समीक्षा, 'अधेरनगरी' का उद्देश्य और प्रासंगिकता।	10
II	**एकांकी :** औरगजेब की आखिरी रात– रामकुमार वर्मा लक्ष्मी का स्वागत– उपेन्द्रनाथ अश्क सीमारेखा– विष्णु प्रभाकर आलोचना के बिन्दु एकाकी–कला की दृष्टि से मूल्याकन, प्रासगिकता और महत्त्व।	10
III	**उपन्यास :** गबन– प्रेमचंद।	10
IV	**पाठ्य 'गबन' उपन्यास की आलोचना :** हिन्दी उपन्यास और प्रेमचंद, उपन्यास के तत्त्वो के आधार पर 'गबन' की समीक्षा, 'गबन' के नायक–नायिका का चारित्रिक वैशिष्ट्य, 'गबन' उपन्यास का उद्देश्य और प्रासगिकता।	10
V	**हिन्दी कहानी :** आकाशदीप–जयशंकर प्रसाद हार की जीत– सुदर्शन लाल पान की बेगम– फणीश्वरनाथ रेणु आलोचना के बिन्दु : कहानी के तत्त्वो के आधार पर 'आकाशदीप', 'हार की जीत' तथा 'लाल पान की बेगम' कहानियो की समीक्षा, कथानक का सार तथा उद्देश्य।	10
VI	**हिन्दी निबंध :** भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र करुणा–आ रामचन्द्र शुक्ल देवदारु– हजारीप्रसाद द्विवेदी पठित निबधों की आलोचना : निबध–कला की दृष्टि से पठित निबधो का मूल्याकन तथा प्रतिपाद्य।	10

आवश्यक निर्देश :

1. इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके कला सकाय के अतिरिक्त किसी भी अन्य सकाय में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन सहायक विषय के रूप मे कर सकते है, परन्तु उनके लिए सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित है।

2 75 अकों की सेमेस्टर परीक्षा हेतु इकाई III को छोडकर इस प्रश्नपत्र की सभी इकाइयों से एक–एक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमे से किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर विद्यार्थियो को देने होगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये 17 अक निर्धारित हैं। इकाई IV को छोडकर शेष इकाइयो में से कुल 4 व्याख्याश व्याख्या के लिये दिये जायेगे। एक इकाई से एक से अधिक व्याख्याश नही दिया जायेगा। इनमे से किन्ही दो की व्याख्या विद्यार्थियो को करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिये 12 अक निर्धारित होगे। इस तरह 17X3=51 तथा 12X2=24 मे इस प्रश्नपत्र के 75 अक विभाजित होगे।

3 विद्यार्थियो को 25 अक आन्तरिक मूल्याकन के आधार पर दिये जायेगे। इनमे से 5 अक विद्यार्थी की कक्षा मे उपस्थिति, प्रदर्शन और सक्रियता, उसके अच्छे आचरण, व्यवहार तथा सस्था या विभागीय कार्यों मे सहयोग आदि के आधार पर दिये जायेगे। शेष 20 अको के लिये परीक्षा, असाइनमेट, परियोजना कार्य आदि आधार होगे। अच्छा तो यह हो कि एक–दो महीने कक्षाएँ चल जाने के पश्चात् विद्यार्थी की दो लघु परीक्षाएँ कम–से कम एक माह के अन्तराल पर हो और एक असाइनमेंट, परियोजना कार्य आदि दिया जाये। इन तीनो मे से दो श्रेष्ठ प्राप्ताको के औसत अंक मुख्य सेमेस्टर परीक्षा के अकों के साथ जोडे जायें।

सहायक ग्रन्थ :

1. रामचद्र तिवारी, हिदी निबंध और निबधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007।
2. बच्चन सिह, आधुनिक हिदी साहित्य का इतिहारा, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019।
3 रामचद्र शुक्ल, हिदी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992।
4. रामचद्र तिवारी, हिंदी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019।
5. नामवर सिह, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018।
6 रामस्वरूप चतुर्वेदी, गद्य विन्यारा और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018।
7 के सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिदी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम सस्करण, सन 1975।
8 सोमनाथ गुप्ता, हिदी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चंद्र नारंग, इलाहाबाद तीसरा सस्करण, 1951।
9 डॉ दशरथ ओझा, हिदी नाटक उद्भव एव विकास, राजपाल एंड सस, दिल्ली।
10 गिरीश रस्तोगी, हिंदी नाटक का आत्मसघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद।
11 सत्यवती त्रिपाठी, आधुनिक हिंदी नाटको मे प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
12 सिद्धनाथ कुमार, हिदी एकाकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद।
13. डॉ. रामचरण महेद्र, हिन्दी एकाकी, और एकांकीकार वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

द[illegible]कम / कक्षा डिप्लोमा	बी. ए. द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर : **IV**
	विषय . **हिन्दी माइनर**	

पाठ्यक्रम कोड : A010301T (M)	पाठ्यक्रम शीर्षक **हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी**

पाठ्यक्रम परिणाम (Course outcomes) :

यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियो में हिन्दी में भाषिक और व्यवहारिक कौशल का विकास करने मे सहायक होगा। इसके द्वारा विद्यार्थी हिन्दी के व्याकरणिक स्वरूप के उपयोगी तत्त्वो को जानने के साथ–साथ उसमे व्यवहारिक लेखन–सम्बन्धी दक्षता भी प्राप्त कर सकेगे और अपने को हिन्दी मे अधिक कार्यकुशल बना सकेंगे। हिन्दी की सवैधानिक स्थिति को भी इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से वे समझ सकेगे।

क्रेडिट : **4**	पूर्णांक : **25+75 =100**	उत्तीर्णांक : **10+30=40**

कुल व्याख्यान सख्या- **60**, प्रति सप्ताह ट्यूटोरियल–प्रयोगात्मक घण्टे : **4-0-0** अथवा **3-1-0** इत्यादि

इकाई	विषयवस्तु	व्याख्यानों की संख्या
I	**हिंदी की संवैधानिक स्थिति :** अनुच्छेद 343 से 351 तक तथा अनुच्छेद 120 और 210, राष्ट्रपति के आदेश–1952, 1955 एव 1960, राष्ट्रपति के आदेश– सन 1952, 1955 एव 1960, राजभाषा अधिनियम–1963 यथा–सशोधित 1967, राजभाषा नियम 1976 यथा सशोधित 1987। राजभाषा हिन्दी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020।	10
II	**शुद्ध–अशुद्ध हिन्दी :** हिन्दी की वर्तनी, लिग, वचन, कारक, उच्चारण तथा विराम चिन्हो से सबन्धित होने वाली अशुद्धियॉ और उनका समाधान।	10
III	**हिन्दी में व्यवहारिक लेखन :** सूचना, सदेश, कार्यवृत्त, कार्यसूची, प्रतिवेदन, आत्मविवरण, आवेदन–पत्र तथा ई–मेल लेखन।	10
IV	**हिन्दी में कार्यालयी पत्राचार :** कार्यालयी पत्राचार का स्वरूप एव विशेषताऍ, पत्र, परिपत्र, स्मरण पत्र, चेतावनी–पत्र, कार्यवाही पत्र, प्रेस विज्ञप्ति, ज्ञापन, तथा तकनीकी एव ऑनलाइन कार्य–दक्षता।	10
V	**अनुवाद :** अनुवाद का महत्त्व, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद के उपकरण, अनुवादक के गुण।	10
VI	**हिन्दी और कम्प्यूटर :** कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और उपयोगिता, कम्प्यूटर पर हिन्दी मे काम करने की सुविधाऍ एव समस्याऍ, हिन्दी मे पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर–निर्माण। इन्टरनेट और हिन्दी, हिन्दी मे उपलब्ध सॉफ्टवेयर एव वेबसाइटे, सरकारी तथा गैरसरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई–पाठशाला, स्वय, मूक्स आदि)।	10

आवश्यक निर्देश :

1 इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके कला सकाय के अतिरिक्त किसी भी अन्य सकाय मे अध्ययनरत समस्त विद्यार्थी इस पाठयकम का चयन सहायक (माइनर) विषय के रूप में कर सकते है, परन्तु उनके लिए सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित है।

2 75 अंको की सेमेस्टर परीक्षा हेतु इस प्रश्नपत्र की सभी इकाइयो से एक–एक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमे से किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर विद्यार्थियो को देने होगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये 17 अंक निर्धारित हैं। सभी इकाइयों से 6–6 अको की कुल 6 टिप्पणियॉ पूछी जायेगी। इनमे से कोई तीन टिप्पणियॉ विद्यार्थियों को लिखनी होगी। 1–1 अक के कुल मिलाकर 6 बहुविकल्पीय प्रश्न भी पूछे जायेगें जिनमें एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न सम्मिलित नही होगा। इस तरह 17X3=51 तथा 6X3=18 तथा 1X6=06 मे इस प्रश्नपत्र के 75 अक विभाजित होगे।

3 विद्यार्थियों को 25 अक आन्तरिक मूल्याकन के आधार पर दिये जायेगे। इनमे से 5 अक विद्यार्थी की कक्षा मे उपस्थिति, प्रदर्शन और सक्रियता, उसके अच्छे आचरण, व्यवहार तथा सस्था या विभागीय कार्यों मे सहयोग आदि के आधार पर दिये जायेगे। शेष 20 अको के लिये परीक्षा, असाइनमेट, परियोजना कार्य आदि आधार होगे। अच्छा तो यह हो कि विद्यार्थी की दो लघु परीक्षाएँ कम–से कम एक माह के अन्तराल पर हो और एक असाइनमेंट, परियोजना कार्य आदि दिया जाये। इन तीनो मे से दो श्रेष्ठ प्राप्ताको के औसत अक मुख्य सेमेस्टर परीक्षा के अको के साथ जोडे जाये।

अध्ययन के लिये सहायक ग्रन्थ :

1 देवेन्द्रनाथ शर्मा, राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2 शैलेन्द्र सेगर, मीडिया लेखन और सम्पादन,आविष्कार प्रकाशन, दिल्ली।
3 डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, सचार माध्यम तकनीक और लेखन, श्याम प्रकाशन, जयपुर।
4 गोपीनाथ श्रीवास्तव, सरकारी कार्यालयो मे हिन्दी का प्रयोग,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5 असगर वजाहत/प्रेमरजन, टेलीविजन लेखन,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6 सिद्धनाथ कुमार, रेडियो वार्ता शिल्प, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7 सिद्धनाथ कुमार, रेडियो नाटक की कला, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8 रचनात्मक लेखन, रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
9 दगल झाल्टे, प्रयोगजनमूलक हिन्दी : सिद्धात और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10 रामचद्र सिह सागर, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एड सस, नयी दिल्ली, 1963
11 चद्रपाल शर्मा, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
12 प्रज्ञा पाठशाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
13 डॉ विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
14 डॉ. माधव सोनटके, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
15 कैलाश चन्द्र भाटिया, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रकिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005
16 डॉ, सजीव कुमार जैन, प्रयोगजनमूलक कामकाजी हिन्दी एव कम्प्यूटिग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
17 सतोष गोयल, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
18 हरिमोहन, आधुनिक जनसचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली